डायमण्ड कॉमिक्स

D - 1005

चाचा चौधरी और देहरादून एक्सप्रैस

eHindiComics

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कार्टूनिस्ट प्राण का जन्म कसूर नामक कस्बे में, जो अब पाकिस्तान में है, हुआ था। एम.ए. (राजनीति शास्त्र) और फाइन आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद, उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मिलाप से शुरू हुआ।

उन दिनों सारे भारत में विदेशी कॉमिक्स छपती थीं। प्राण ने भारतीय पात्रों की रचना करके स्थानीय विषयों पर कॉमिक्स बनाना शुरू किया। उनके प्रमुख चरित्र हैं - चाचा चौधरी, साबू, श्रीमतीजी, पिंकी, बिल्लू और रमन।

लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स ने उनको 1995 में पीपुल ऑफ द ईयर अवार्ड से पुरस्कृत किया। उनकी चाचा चौधरी स्ट्रिप्स को इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ कार्टून आर्ट, अमरीका में स्थायी रूप से रखा गया है। 1983 में स्वर्गीया प्रधानमन्त्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनी कॉमिक्स 'रमन-हम एक हैं' का विमोचन किया।

प्राण के चरित्रों की लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल हास्य द्वारा पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं।

— प्रकाशक

TITLES CHACHA CHAUDHARY AND SABU AND THEIR CHARACTERS ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETORS PRAN'S FEATURES, A-94 NARAINA VIHAR, NEW DELHI-110028. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMICS. ANY SIMILARITY TO REAL HUMAN BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कार रोको ! मुझे उस आदमी से बात करनी है.

तुम?

मेरा नाम है 'शम्बू शॉक म्यूजिक वाला' कोई मुझे मकान किराये पर नहीं देता. इसलिए मैं यलगिर कर गुजारा करता हूं.

यह शॉक म्यूजिक क्या हुआ?

जैसे पॉप म्यूज़िक या रॉक म्यूज़िक उसी तरह शॉक म्यूज़िक.लोगों को यह संगीत सुनकर झटका लगता है. इसलिए मैंने इसका नाम शॉक म्यूजिक रखा है.

शम्बू ! तुम काम के आदमी हो. राचा चौधरी का मकान खाली करा दो. मैं तुम्हें एक कमरा दे दूंगा. जहां तुम संगीत का अभ्यास कर सकते हो.

यह आदमी मेरा संगीत बर्दास्त नहीं कर पायेगा. और मकान छोड़कर भाग जायेगा.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

उसने एक करोड़ रुपये का चैक दिया है. समझ में नहीं आता कि इतने पैसों का मैं क्या करूंगा?

सबसे पहले तुम एक मकान खरीदो. जहां तुम संगीत का अभ्यास कर सको.

बॉय!

आओ शम्बू! तुम यही कहने आये हो कि तुमने याचा चौधरी को घर से निकाल दिया और वायदे के मुताबिक मैं तुम्हें एक कमरा दूं.

नहीं, तुम इस मकान से अभी निकल जाओ!

क्यों?

क्योंकि यह मकान मैंने खरीद लिया है. तुम इसमें किरायेदार थे.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अधिकारी परेशान थे. दो टिकटों में एक नकली था. **मगर कौन सा?** मैंने दोनों टिकटों को इलेक्ट्रोनिक स्क्रीन पर कई गुना बड़ा किया. तब रहस्य खुला. ठग बी. के. के टिकट का नम्बर था AZ-5972443. उसने चालाकी से 3 को 8 बना लिया था.

और डाकू धांगा को कैसे मारा?

वह खूंखार आदमी था. उसने एक पुल बनाने वाले एक इंजीनियर का अपहरण कर लिया और उसकी रिहाई के लिए दस लाख रुपये मांगे.

मैंने उसे निर्धारित जगह पर नोटों का बैग दिया और इंजीनियर को रिहा करा लिया. पर ज्योंही धांगा कुछ कदम चला, बैग में से धमाका हुआ और डाकू मारा गया. बैग में नकली नोटों के नीचे टाइम बम रखा था.

तुम दोनों को हमेशा खून खराबे की बातें सूझती हैं. कोई अच्छी, जैसे ब्याह-शादी की बात नहीं सूझती?

चाचाजी! आपने मिस चुटीली और खूंखाराय की शादी क्यों रुकवा दी थी?

मिस चुटीली खूबसूरत और जवान थी और शादी के बाद वह बूढ़े खूंखाराय को जहर देकर मारना चाहती थी और उसकी सम्पत्ति हथियाना चाहती थी.

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

पोस्टमैन!

किसकी चिट्ठी आयी है?

मेरे दोस्त गणपतराय के बेटे की शादी है. मुझे निमंत्रण भेजा है. वक्त कम है. शादी में शामिल होने के लिए मुझे दस बजे की ट्रेन पकड़नी होगी.

आलू और बालू.

आलू! क्यों न चाचा चौधरी से पैसा ऐंठा जाये? मैं शर्त लगाता हूं. तुम उसे स्टेशन वक्त पर न पहुंचने देना.

ठीक है, बालू!

चौधरी! स्टेशन जाना फिजूल है. आप देहरादून को जाने वाली गाड़ी नहीं पकड़ सकते.

मेरा ट्रक डुगडुग पुराना जरूर है. मगर विश्वसनीय है. यह मुझे टाइम पर पहुंचा देगा.

ठीक है.

दस हजार रुपये की शर्त रही. अगर आपकी गाड़ी छूट गयी तो आप हारे, नहीं तो मैं हारा.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मैंने पूरी तरह से चैकअप किया है. इस व्यक्ति को कोई बीमारी नहीं. इसका दिल घोड़े की तरह दौड़ रहा है.

तुमने ऐसा क्यों किया?

ताकि तुम रेलगाड़ी न पकड़ सको और शर्त हार जाओ. दस कब के बज चुके हैं.

हो! हो!!

मुझे रेलवे स्टेशन की तरफ स्पीड बढ़ानी चाहिए.

चौधरी! इस वक्त बारह बजे हैं. और देहरादून को जाने वाली गाड़ी प्लेटफार्म पर कहीं नजर नहीं आ रही. निकालो दस हजार रुपये.

देहरादून एक्सप्रेस वह आ रही है. वह आज दो घंटे लेट है.

बालू! पैसे?

DEHRADUN

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

बुढ़िया ! तुम्हारे पेड़ के कारण मेरी कार का नुकसान हो गया !

बेटा ! वह तो सड़क से दूर है . पेड़ तुम्हारी गाड़ी से टकराने सड़क पर नहीं गया.

मैं इस पेड़ को कटवा डालूंगा.

मेरा बेटा बूला उदास क्यों है ? उसे चोटें कैसे आयीं ?

डैडी ! एक जामुन के पेड़ ने मेरी कार बर्बाद कर दी.

कारोबार ! जाओ . उस पेड़ को जड़ से उखाड़ दो.

जो हुक्म, चीफ़ !

गड़ड़ड़ड़!

मैं इस भारी लोहे के गोले से पेड़ को मार मारकर उसे जड़ से उखाड़ दूंगा.

© PRANS FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

टैररिस्ट जयंगो

ओह ह! बम फटा!

शहर में विस्फोट बहुत होने लगे हैं.

POLICE

यह किसी टैररिस्ट गिरोह का षड्यंत्र है.

© FRANK FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

गंगा चौधरी! शहर में हर रोज़ बम फट रहे हैं. कई आदमियों की जानें जा चुकी हैं. बम के टुकड़ों को निरीक्षण करने से पता चला है कि उन पर विदेशी मार्किंग है.

कोई चुपचाप भीड़ वाले इलाके में बम रखकर चला जाता है.

विदेशी हमारे देश में आतंक फैलाना चाहते हैं.

एक आदमी को गिरफ्तार किया है. हमने सारे तरीके अपना लिए, मगर उसकी जुबान नहीं खुली.

मुझे वह आदमी दिखाओ! इंस्पेक्टर!

पुलिस स्टेशन में है. चलिए वहां.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

वह रहा वह आदमी. बड़ा जिद्दी है.

पुलिस ने तुम्हें गिरफ्तार करके बड़ी गलती की. जाओ, तुम आजाद हो.

चौधरी! तुमने क्या किया? बड़ी मुश्किल से एक टैररिस्ट पकड़ा था. तुमने उसे भी छोड़ दिया.

यह सिर्फ कठपुतली है. जिसके हाथ में इसकी डोर है, हमने उसे पकड़ना है.

चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से तेज चलता है.

जरांगो को जब यह पता चलेगा कि मैंने मिशन पूरा कर दिया तो वह खुश होगा.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

वह चिड़ीमार कौन आ रहा है ?

कोई पुलिस को सूचना देने वाला तो नहीं.

धमाकासिंह ! मेरा नाम आर. आर दाढ़ीवाला है. मैं दूसरे मुल्क का बाशिंदा हूं. तुम्हें पैसा चाहिए ? क्रिकेटर रनमास्टर का अपहरण करो. तुम्हें वह मिलेगा.

हमारे पास मामूली जुर्म के लिए वक्त नहीं.

हम बैंक लूटने जा रहे हैं. वहां से बारह लाख मिलेंगे. एक क्रिकेटर के अपहरण से क्या मिलेगा ?

पूरा एक करोड़ !-- आज हमारे मुल्क और भारत की टीम में क्रिकेट मैच होने जा रहा है. रनमास्टर सेंचुरी बनाने वाला बैट्समैन है. उसका अपहरण होने से हमारी टीम के जीतने के चांस बढ़ जाते हैं

सौदा बुरा नहीं. दाढ़ीवाला ! हम तुम्हारा काम करेंगे.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

यह फोटो है रनमास्टर का. वह आज फील्ड में न पहुंच पाये.

बैंक डकैती से यह काम आसान है और मुआवजा ज्यादा.

इतनी बड़ी रकम से तो हम पूरी टीम का अपहरण कर दें.

गयाजी! आज का क्रिकेट मैच रोमांचक होगा.

दोनों देशों की टीमें टक्कर की हैं.

दर्शक रनमास्टर की धुंआधार बल्लेबाजी पर दीवाने हो जाते हैं.

मैं भी उसका फैन हूं.

रनमास्टर.

बेटा! कुछ लड्डू खा लो.

बस, मां! नाश्ते में आज बहुत खा लिया. क्रिकेट बोर्ड की कार मुझे खेल के मैदान को ले जाने के लिए आती होगी.

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

नहीं! तुम हमारे साथ चलोगे.

?

जल्दी गाड़ी में बैठो.

उसे छोड़ दो!

बचाओ! बचाओ!!

वे मेरे बेटे रनमास्टर का अपहरण करके ले गये हैं.

चाचाजी! उस कार का पीछा करो!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

धन धन धन

धन धन धन

बीनी ! बर्तन क्यों बज रहे हैं ?

रसोई में बर्तन नहीं बजेंगे तो क्या बाजा बजेगा ?

मैं घर में नींद नहीं ले सकता. कहीं और जाना चाहिए.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

खर्र! खर्र!!!

वह आदमी बैंच पर सो रहा है. मैं अपने फटे जूते वहां रख देता हूं और उसके अच्छे जूते ले लेता हूं.

खर्र! खर्र!!

अंतरी! इन्हें पैरों में पहनो और हम नाइन-टू-इलेवन हो जाएं.

हैं??? इनके तो तले ही नहीं है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

घाटा हो गया!

अभी मौका है. उस सोये हुए आदमी की तुम वास्कट उठा लाओ. उसे बेचकर हम नये जूते खरीद लेंगे.

खयाल बुरा नहीं.

मैं उसके जूते वापस रख आता हूं और उसकी वास्कट उठा लाता हूं.

खर्र! खर्र!!

?!

चोरी करना पाप है! -- वास्कट को मैं रस्सी से बांधकर सोया था.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

भागो!

वह जूता चुराना कैसा रहेगा ?

मगर वह सिर्फ एक है. जोड़ी नहीं.

दूसरा भी आसपास कहीं होगा.

इसका दूसरा वह पानी में है.

मैं लपककर उसे ले आता हूं.

?!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

राकेट और पर्स

आज मुझे स्कूल से वेतन मिला है. मैं इन पैसों से अपने बच्चों के लिए नये कपड़े खरीदूंगी और मकान का किराया दूंगी.

पकड़ो! वह मेरा पर्स छीनकर भाग रहा है.

चाचा चौधरी! एक बदमाश मेरा सारा वेतन लेकर भाग गया.

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

राकेट ! जाओ, वह पर्स वापस लाओ !

धीरज रखो. तुम्हारे सारे पैसे वापस आ जायेंगे.

कांस्टेबल बारो.

उस उचक्के के हाथ में पर्स ? जरूर वह चोरी का होगा.

ए मिस्टर ! रुको !

बाप रे ! हवलदार बारो ? भागो !

eHindiComics

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

बचाओ!

लीजिए, अपना पर्स सम्भालिए.

मैं पचास रुपये का नोट कुत्ते को मांस खिलाने के लिए देना चाहती हूं.

धन्यवाद! राकेट विश्व में एकमात्र ऐसा कुत्ता है जो शाकाहारी है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

पेटू पार्टी

eHindiComics

भागवान ! भूख लगी है.

तुम्हारा पेट है या हिन्द महासागर ? आधा घंटा पहले मैंने तुम्हें पंद्रह रोटियां, दस समोसे, एक किलो बर्फी, एक कटोरा सब्जी खाने को दी थी ?

मैं क्या करूं ? मुझे जल्दी भूख लग आती है.

इतना खाना मैं कहां से लाऊं ? बाहर जाओ और कहीं इंतजाम करो.

बाहर कुछ न कुछ जरूर मिल जायेगा.

© PHAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

दोस्त घासी! याद है एक बार तुमने मुझे डिनर पर निमंत्रित किया था?

याद है, पालतू!

उस दिन खाना बच गया था और हमारी भैंस ने भी उससे मुंह हटा लिया था.

मुझे जोर की भूख लगी है. मुझे कुछ दो.

नामुमकिन. हमारी रसोई आज ठंडी है.

मेरी पत्नी मायके गयी है. खाना कहां से बनता?

तुम झूठ तो नहीं बोल रहे?

देखो, मुझे लजीज़ पुलाव की खुशबू आ रही है.

यह कहां से हो सकती है?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

वह देखो! साबू मटर-पुलाव खा रहा है.

घासी! अगर साबू को कहीं भेज दें तो पीछे से उसका खाना हम चट कर सकते हैं.

अच्छा ख्याल है.

क्या तुमने हाथ मुंह धोये हैं?

नहीं.

छी! जाओ, पास की नदी में हाथ-मुंह धोकर आओ. फिर नाश्ता करना.

मैं जाता हूं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मगर चाची को अब दोबारा खाना बनाना पड़ेगा?

यह मुझसे नहीं होगा! इतना ढेर खाना पकाना आसान काम नहीं है.

अब क्या होगा?

कुछ न कुछ इंतजाम हो जायेगा.

तभी.

चाचा चौधरी! मैंने ओपन एअर रेस्तरां खोला है. मैं चाहता हूं कि आज पहले दिन आप आयें और वहां खाना खायें.

ठीक है, रघुपति!

रेस्तरां

वाहह!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/